

BFC PUBLICATIONS PVT. LTD.

Personal Details

Author Name	रघुवंश राय (हर्द्वि)
Father Name	श्री जनार्दन राय
Date of Birth	1977-10-15
Contact No	9454747545
Alternate contact no.	7525891500
e-mail ID	raghubanshrai77@gmail.com
Nominee Name	रीना राय
Correspondence Address :	VIVEK PURAM TARAMANDAL ROAD SIDDHARTH ENCLAVE
Landmark	Near BSNL tower
City	GORAKHPUR
State	UTTAR PRADESH
Pin Code	273016
Country	India

BANK DETAILS

Account holder's name	Raghubansh Rai
Account No.	77530100002843
Bank Name	Bank of baroda

Branch	तारामंडल रोड गोरखपुर
IFSC Code	BARBOVJTAMA
Pan No.	AKZPR6165

Book Details

Book Title	जमीन से शखिर की यात्रा
How would you like your name to appear on book?	Raghubansh Hindu
Manuscript Language	Hindi
Book Genre	Others
Number of images (If any)	12
Manuscript Status	Completed
Book Size	6"x9"

Cover details

Synopsis

कतिब के कबर पर सुन्य से उठता हुआ और ऊंचाई पर पहुंचता हुआ सीन हो! किसी व्यक्ति के द्वारा छलांग लगाकर पहाड़ी की चोटी पर पहुंचे या सूर्य की तरफ बढ़ने का सीन हो उसमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस भगत सहि जैसे शहीदों की छाया चित्र हो

1- *लेखक की कलम*

लेखक एक सफल समाजसेवी के साथ साथ इंजीनियर व शक्तिषक भी है! एक साधारण परिवार में जन्म लेने के उपरांत गांव के वदियालय में इंटरमीडिएट तक की शक्तिषा प्राप्त करने के बाद लेखक ने गोरखपुर वशि्ववदियालय और प्रयागराज से इंजीनियरिंग की शक्तिषा प्राप्त कयिा और सचिाई वभिाग में 1 वर्ष का ट्रेनी इंजीनियर के रूप में कार्य करने के उपरांत आजीवन सरकारी नौकरी न करने का संकल्प लेकर लेखक ने इंजीनियरिंग व मेडिकल के लिए भौतिकी का अध्यापन का कार्य प्रारंभ कयिा जसिमें वह एक प्रतिष्ठित अध्यापक के रूप में भी पहचान बनाई! उसके पश्चात एक शक्तिषण संस्थान का संस्थापक होने के बाद लेखक ने सारे कार्यों को छोड़कर अब नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सपनों का भारत बनाने का 21वीं सदी हेतु कार्य प्रारंभ कयिा जसिमें बहुत सारी अड़चने आईं!

यह पुस्तक एक ऐसी कहानी को बयां करती है जो नौजवानों को एक नई दिशा देने का कार्य करेगी, उन नौजवानों को जो समझते हैं कि *बिना संसाधन के जीवन में सफलता नहीं प्राप्त की जा सकती है* ! उनको प्रेरणा का कार्य करेगी क्योंकि इस पुस्तक में बनाया गया *इतिहास* ऐसे कम संसाधन के बाद संघर्ष की पराकाष्ठा है जो समाज को प्रेरित करने के लिए काफी है ! यह तरिगे की एक ऐसी कहानी है कि जसिमें तरिगा फैलाने वाले या तरिगे के बारे में सोचने वाले व्यक्ति के पास ₹0 थे और वशि्व का सबसे लंबा तरिगा तथा कई ऐसे वशि्व रीकार्ड बनाने की तैयारी का आगाज करना उसी तरह से था जैसे किसी चीटी को हिमालय की ऊंचाई पर पहुंचने के बारे में सोचना था!

परंतु किसी ने खूब लिखा है

हौसले तूफान में दीपक जलाया करते हैं !

पत्थरों के खेत में फसलें उगाया करते हैं !!

यह कहानी गोरखपुर से प्रारंभ होती है जहां पर *वशि्व का सबसे लंबा तरिगा* (पहले 11 किलोमीटर पूनः 13 किलोमीटर और उसके पश्चात 15 किलोमीटर 100 मीटर) फैलाकर वशि्व इतिहास में नाम दर्ज करा जाता है जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस भगत सिंह जैसे महान वीरों के लिए समर्पित है

इस पुस्तक को लिखने का उद्देश्य दो है पहला तो यह कि इस महान उद्देश्य की पूर्ति हेतु जो भी स्वयंसेवी व्यक्तियों ने इसमें अपना सबकुछ बलिदान कयिा उनके बारे में समाज जाने और दूसरी बात यह कि इसके माध्यम से युवाओं को तथा उन लोगों को प्रेरणा देना जो किसी भी कार्य को असंभव समझते हैं परंतु यह बताना कि *आपके दृढ़

Author Bio

लेखक की संक्षिप्त जीवनी

लेखक एक समाजसेवी के साथ -साथ

इंजीनियर, शक्तिषक व देश भक्त भी है! एक साधारण किसान परिवार में जन्म लेने के उपरांत गांव के विद्यालय में इंटरमीडिएट तक की शिक्षा बड़े ही संघर्ष पूर्ण ढंग से प्राप्त करने के बाद लेखक ने गोरखपुर विश्वविद्यालय तबय और प्रयागराज से इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त किया और सचिवाई विभाग में 1 वर्ष का ट्रेनी इंजीनियर के रूप में कार्य करने के उपरांत आजीवन सरकारी नौकरी न करने का संकल्प लेकर लेखक ने इंजीनियरिंग व मेडिकल के लिए भौतिकी का अध्यापन का कार्य प्रारंभ किया ! जसमें वह एक प्रतिष्ठित अध्यापक के रूप में भी पहचान बनाई ! उसके पश्चात एक शिक्षण संस्थान का संस्थापक होने के बाद लेखक ने सारे कार्यों को छोड़कर अब नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सपनों का भारत बनाने का 21वीं सदी हेतु कार्य प्रारंभ किया जसमें बहुत सारी अड़चने आईं!

वर्तमान समय में लेखक 2 विश्व रिकॉर्ड होल्डर है और दो विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी में लगा हुआ है

यह पुस्तक एक ऐसी कहानी को बयां करती है जो नौजवानों को एक नई दिशा देने का कार्य करेगी! उन नौजवानों को जो समझते हैं कि बिना संसाधन के जीवन में सफलता नहीं प्राप्त की जा सकती है* ! उनको प्रेरणा का कार्य करेगी क्योंकि इस पुस्तक में बनाया गया *इतिहास* ऐसे कम संसाधन के बाद संघर्ष की पराकाष्ठा है जो समाज को प्रेरित करने के लिए काफी है ! यह तरिगे की एक ऐसी कहानी है कि जसमें तरिगा फैलाने वाले या तरिगे के बारे में सोचने वाले व्यक्तियों के पास ₹0 थे और विश्व का सबसे लंबा तरिगा तथा कई ऐसे विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी का आगाज करना उसी तरह से था जैसे किसी चीटी को हिमालय की ऊंचाई पर पहुंचने के बारे में सोचना था!

परंतु किसी ने खूब लखा है

हौसले तूफान में दीपक जलाया करते हैं

पत्थरों के खेत में फसल ले लूंगा या करते हैं